खबर संक्षेप

हिंदू जागरण के लिए निकाली गई विशाल बाइक रैली

शहडोल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे देश में जनवरी माह में मंडल एवं बस्ती स्तर पर विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शहडोल नगर को संघ की संरचना के अनुसार 14 बस्तियां में बांटा गया है। सभी बस्तियों एवं मंडल में विशाल हिंदू सम्मेलन के आयोजन के लिए प्रत्येक बस्ती एवं मंडल के सकल हिंदू समाज के लोगों के द्वारा हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से नगर की 14 बस्तियों में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। विशाल हिंदू सम्मेलन में सकल हिंदू समाज को सामाजिक समरसता सद्भाव का संदेश देने के लिए एवं सभी हिंदू परिवार को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण देने के उद्देश्य से भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। बाइक रैली का आयोजन नगर हिंदू सम्मेलन टोली के माध्यम से किया गया।
कार्यक्रम का प्रारंभ शहडोल कलेक्ट्रेट जय स्तंभ चौक से डीजे के साथ हुआ। बाइक रैली में हिंदू सामाजिक संगठन के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बाइक में धर्म ध्वजा फहराते बाइक रैली राजेंद्र टॉकीज चौक, जेल बिल्डिंग, गांधी चौक, बुढार चौक, नए बस स्टैंड ,लल्लू सिंह चौक, नरसराहा, दरभंगा चौक से पुराने गांधी चौक होते हुए बाइक रैली स्टेडियम में समाप्त हुई। गौर तलब है बाइक रैली में लगभग डेढ़ सौ बाइक में लगभग 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया। आगामी दिनों में होने वाले हिंदू सम्मेलन को लेकर हिंदू सामाजिक संगठन एवं लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। और कार्यक्रम को लेकर कई प्रकार की सांस्कृतिक आध्यात्मिक और अन्य प्रकार के कार्यक्रमों की जोर-शोर से तैयारी की जा रही है।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर अभ्युदय कार्यक्रम का आयोजन

जयसिंहनगर। 18 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर अभ्युदय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट। अतिथियों के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।
कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार गौतम जी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सातिका प्रसाद तिवारी जीकि उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला मंत्री श्रीमती कविता सिंह, मंडल अध्यक्ष जय श्री कचेर, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय, विकासखंड समन्वयक ऋतिकदास मिश्रा, नवांकुर संस्था सेक्टर क्रमांक-01 जयसिंहनगर नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि के रूप में पवन तिवारी, नवांकुर संस्था क्रमांक-04 बनसुकली के शैलेन्द्र मिश्रा एवं स्वामी विवेकानन्द सेवा समिति बांसा के प्रतिनिधि के रूप सत्यम तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।
कार्यक्रम में डॉ. नवीन गुप्ता (शिक्षा विभाग) एवं दिवाकर तिवारी द्वारा शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई। अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों, सामाजिक कार्यों एवं युवाओं के जीवन में उनके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।
कार्यक्रम के दौरान नवांकुर संस्था जयसिंहनगर शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण समिति द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों के लिए सहभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डॉ. वी.पी. पटेल के बाद डॉक्टर अंबेडकर पर लगातार लग रहे रिश्वतखोरी के आरोप

कलयुगी भगवान की संज्ञा को बदनाम कर रहे सरकारी डॉक्टर

शहडोल। शहडोल जिला चिकित्सालय एक बार फिर विवादों में है, जहां दूरदराज से इलाज कराने आए मरीजों से कथित रूप से इलाज के नाम पर पैसों की मांग की जा रही है। पहले पीडियाट्रिक विभाग के डॉ. वी.पी. पटेल के खिलाफ रिश्वत के आरोप सामने आए थे, अब डॉक्टर अंबेडकर पर भी आयुष्मान योजना बंद होने का हवाला देकर रुपए मांगने का आरोप लगा है, जिससे परेशान परिजन निजी अस्पताल जाने को मजबूर हुए।
सरकार के मुफ्त इलाज के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए शहडोल जिला चिकित्सालय के कुछ सफेदपोश डॉक्टरों ने अस्पताल को वसूली केंद्र बना दिया है। यहां पदस्थ डॉ. अंबेडकर पर एक बार फिर इलाज के नाम पर सरेआम रिश्वत मांगने के गंभीर आरोप लगे हैं, जिससे स्वास्थ्य महकमे में हडक़ंप मच गया है। पीड़ित पक्ष ने मामले की शिकायत कलेक्टर से करते हुए इस डॉक्टरी भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है?

आयुष्मान कार्ड को बताया बेकार

जानकारी के अनुसार, देवरी निवासी जीवन सिंह के पिता किशोरी सिंह को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि डॉ. अंबेडकर ने वृद्ध मरीज के ऑपरेशन और उपचार के बदले परिजनों से 14 से 15 हजार रुपये की मोटी रकम की मांग की, जब बदहवास परिजनों ने सरकारी योजना आयुष्मान कार्ड का हवाला दिया, तो डॉक्टर ने बेहद गैर-जिम्मेदाराना जवाब देते हुए कहा कि आयुष्मान का टेंडर खत्म हो चुका है, अब पैसे देने पड़ेंगे। सरकारी अस्पताल की छत के नीचे बैठकर सरकारी योजना को ही ठेंगा दिखाना प्रशासन के गाल पर करारा तमाचा है।

मानसिक प्रताडऩा और मजबूर पलायन

परिजनों का आरोप है कि रिश्वत देने से मना करने पर डॉक्टर का व्यवहार बेहद आक्रामक हो गया और मरीज का समुचित उपचार तक नहीं किया गया। वरिष्ठ चिकित्सकों को मौखिक सूचना देने के बावजूद जब कोई समाधान नहीं निकला और डॉक्टर बार-बार रुपयों के लिए दबाव बनाता रहा, तो मजबूर होकर परिजन मरीज को निजी अस्पताल ले गए। यह जिला अस्पताल के माथे पर कलंक है कि एक गरीब आदिवासी परिवार डॉक्टर की रुपयों की भूख के कारण सरकारी अस्पताल से भागने पर मजबूर हो गया।

पुराना है वसूली का इतिहास

गौरतलब है कि डॉ. अंबेडकर पर पहले भी भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं, जिला अस्पताल का रिकॉर्ड ऐसी शिकायतों से भरा पड़ा है। इससे पहले शिशु रोग विभाग के डॉ. वी.पी. पटेल पर भी मरीजों से पैसे मांगने के आरोप लगे थे, जिनकी गूंज सोशल मीडिया तक सुनाई दी थी। लगातार सामने आ रहे इन मामलों ने साबित कर दिया है कि यहां इलाज मुफ्त नहीं, बल्कि बिकाऊ है।

प्रशासन की चुप्पी पर तीखे सवाल

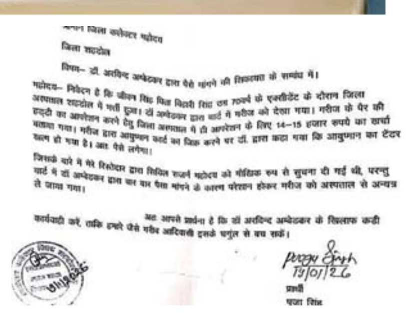
जिला कलेक्टर महोदय
जिला शहडोल
विषय– डॉ. अरविन्द अम्बेडकर द्वारा पैसे मांगने की शिकायत के सम्बंध में।
महोदय– निवेदन है कि जीवन सिंह पिता किशोरी सिंह उम्र 70वर्ष के एक्सीडेंट के दौरान जिला अस्पताल शहडोल में भर्ती हुआ। डॉ अम्बेडकर द्वारा वार्ड में मरीज को देखा गया। मरीज के पैर की हड्डी का आपरेशन करने हेतु जिला अस्पताल में ही आपरेशन के लिए 14–15 हजार रुपये का खर्चा बताया गया। मरीज द्वारा आयुष्मान कार्ड का जिक्र करने पर डॉ. द्वारा कहा गया कि आयुष्मान का टेंडर खत्म हो गया है। अतः पैसे लगेगा।
जिसके बारे में मेरे रिश्तेदार द्वारा सिविल सर्जन महोदय को मौखिक रूप से सुचना दी गई थी, परन्तु वार्ड में डॉ अम्बेडकर द्वारा बार बार पैसा मांगने के कारण परेशान होकर मरीज को अस्पताल से अन्यत्र ले जाया गया।
अतः आपसे प्रार्थना है कि डॉ अरविन्द अम्बेडकर के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें, ताकि हमारे जैसे गरीब आदिवासी इसके चंगुल से बच सकें।
19/01/26
प्रार्थी
पूजा सिंह

पीड़ित पक्ष ने अब शहडोल कलेक्टर के द्वार खटखटाए हैं और शपथ-पत्र के साथ निष्पक्ष जांच की मांग की है। आम जनता का भरोसा अब जिला अस्पताल की व्यवस्था से पूरी तरह टूट चुका है, यदि समय रहते इन भ्रष्ट तत्वों को बाहर का रास्ता नहीं दिखाया गया, तो सरकारी अस्पताल केवल कागजों पर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवा के दावे करते रहेंगे और गरीब इसी तरह लुटता रहेगा।

इनका कहना है...

शिकायत मेरे पास अभी नहीं आई है, विभागीय कार्य के चलते मैं बाहर हूं, अगले कार्य दिवस पर मामले को संज्ञान में लेकर संबंधित चिकित्सक को नोटिस दिया जाएगा।

डॉ.शिल्पी सराफ
सिविल सर्जन

बाणगंगा मेले की सुरक्षा पर बड़ा सवाल

चाकूबाजी की घटना ने खोली पुलिस व्यवस्था की पोल

शहडोल। मकर संक्रांति के अवसर पर आस्था और परंपरा का प्रतीक माने जाने वाले शहडोल के ऐतिहासिक बाणगंगा मेले में हुई चाकूबाजी की घटना ने पूरे जिले की कानून-व्यवस्था और पुलिस सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाणगंगा मेला मैदान में मामूली विवाद के बाद एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला होना न सिर्फ चिंताजनक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भारी भीड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था कितनी कमजोर है।
जानकारी के अनुसार, इतवारी मोहल्ला निवासी सूरज पटकर अपने दोस्तों के साथ मेला घूमने पहुंचा था,इसी दौरान आरोपी शनि वर्मा से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अचानक चाकू निकालकर सूरज पर हमला कर दिया, हमले में सूरज के पेट के बाएं हिस्से में गंभीर चोट आई, जान बचाने के लिए वह किसी तरह मौके से भागा और स्थानीय लोगों की मदद से मेडिकल कॉलेज शहडोल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत फिलहाल स्थिर है।घटना के बाद मेला परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में मौजूद लोग दहशत में आ गए।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मेला स्थल पर पुलिस बल तैनात था, तब आरोपी युवक चाकू लेकर कैसे घूमता रहा और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। यह घटना मेला सुरक्षा में की गई पुलिस तैनाती, चेकिंग व्यवस्था और निगरानी पर सीधा सवाल खड़ा करती है।सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घायल सूरज पटकर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शनि वर्मा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। आसपास के इलाकों और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। बाणगंगा मेले जैसी धार्मिक और पारिवारिक आयोजन में इस तरह की आपराधिक घटना ने आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस सख्ती, तलाशी और निगरानी व्यवस्था दुरुस्त होती, तो इस तरह की वारदात रोकी जा सकती थी।

इनका कहना है...

मेले में दो युवकों के बीच विवाद हुआ था, जिसमें मारपीट की घटना सामने आई है। शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भूपेंद्र मणि पांडेय
थाना प्रभारी, सोहागपुर

माइंस से केबल उड़ाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन शातिर दबोचे

शहडोल। अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए कोतवाली पुलिस ने शाहपुर बेस्ट कोल माइंस में हुई तांबे के केबल की बड़ी चोरी का महज कुछ ही दिनों में सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। पुलिस की पैनी नजर और त्वरित घेराबंदी के आगे चोरों की चालाकी धरी की धरी रह गई। इस कार्रवाई में न केवल तीन आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा गया है, बल्कि चोरी गया कीमती मशरूका भी बरामद कर लिया गया है।

रात के अंधेरे में दिया था वारदात को अंजाम

बीती 13 जनवरी 2026 की दरमियानी रात करीब 1 से 5 बजे के बीच बेखौफ चोरों ने खम्हरिया कला स्थित शाहपुर बेस्ट कोल माइंस को निशाना बनाया था। माइंस कैंपस की बाउंड्री वॉल के पास रखे 5 कोर के लगभग 500 मीटर तांबे के केबल पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया था, जिसकी बाजार में कीमत करीब 90,000 रुपये आंकी गई थी। माइंस के स्टोर प्रभारी और कर्मचारियों की काफी तलाश के बाद भी जब सुराग नहीं मिला, तब फरियादी उत्कर्ष नामदेव ने कोतवाली थाने में न्याय की गुहार लगाई थी।

पुलिसिया रडार पर आए खैरहा के चोर

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों के जाल की मदद से पुलिस खैरहा निवासी मुस्तफा खान उम्र 21 वर्ष, सूरज कोल उम्र 21 वर्ष और मोहम्मद इकरार खांन उम्र 26 वर्ष तक पहुंच गई। कड़ी पूछताछ के सामने आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया, जिसके बाद 19 जनवरी 2026 को उन्हें गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

शहडोल। समाज में छिपे नरपिशाचों के खिलाफ धनपुरी पुलिस ने कड़ा प्रहार किया है। बहला-फुसलाकर नाबालिग का अपहरण करने और फिर उसकी अस्मत से खिलवाड़ करने वाले आरोपी रिंकू प्रजापति को पुलिस ने सलाखों के पीछे भेज दिया है।

अपहरण से शुरू हुआ गुनाह का सफर

वारदात की शुरुआत 12 जनवरी की रात को हुई, जब ग्राम बेम्हौरी निवासी एक 17 वर्षीय नाबालिग अचानक घर से लापता हो गई। पीड़ित मां की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। साइबर सेल की तकनीकी मदद और मुखबिरों के सटीक जाल ने पुलिस को 17 जनवरी तक नाबालिग को सकुशल बरामद करने में सफलता दिलाई।

बयानों ने खोली दरिंदगी की पोल

जब पीड़िता के बयान दर्ज किए गए, तो मामला केवल अपहरण का नहीं बल्कि रूह कंपा देने वाली दरिंदगी का निकला। बयानों के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामले में भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं और पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया।

सलाखों के पीछे पहुंचा आरोपी

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 19 जनवरी को आरोपी रिंकू प्रजापति उम्र 24 वर्ष को दबोच लिया। इस सख्त कार्रवाई ने क्षेत्र के अपराधियों में खौफ पैदा कर दिया है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों का अगला ठिकाना केवल जेल की कालकोठरी होगी।

समीक्षा की रस्म अदायगी या समाधान की कोशिश?

कलेक्टर की दोटूकः कागजी खानापूर्ति नहीं, धरातल पर चाहिए निराकरण

शहडोल। जिला मुख्यालय के विराट सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की बैठक एक बार फिर निर्देशों की भेंट चढ़ गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के अंबार पर सख्त तेवर दिखाते हुए अधिकारियों को हिदायत दी कि 50 दिनों से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निपटारा करें। उन्होंने साफ किया कि शिकायतों के निराकरण में निम्न गुणवत्ता यानी महज कागजी खानापूर्ति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हर हफ्ते बैठक, फिर भी शिकायतों का अंबार क्यों

विडंबना देखिए कि जिले में हर सप्ताह समय-सीमा और सीएम हेल्पलाइन की गहन समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जिला स्तरीय अधिकारी खुद मॉनिटरिंग करें और एल-1 स्तर पर जवाब दर्ज कराएं। लेकिन बड़ा सवाल यह उठता है कि यदि हर सप्ताह समीक्षा होती है, तो शिकायतों की संख्या कम होने के बजाय लंबित क्यों रहती हैं।

खुद की सक्रियता पर भी उठ रहे सवाल

कलेक्टर ने मैदानी अमले को जवाबदेह बनाने और शिकायतों को अन-अटेंडेड न छोडऩे के सख्त निर्देश दिए हैं। परंतु प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि सिस्टम तब सुधरेगा जब केवल कनिष्ठों को निर्देश देने के बजाय स्वयं कलेक्टर और अन्य जिम्मेदार विभाग प्रमुख यह आत्म-मंथन करें कि उन्होंने सप्ताह भर में व्यक्तिगत रूप से कितनी शिकायतों की जमीनी हकीकत परखी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह सहित तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे।

शहडोल में आउटसोर्स कर्मियों की नाराजग़ी फूटी

5 दिन की सांकेतिक हड़ताल की चेतावनी

शहडोल। जिले में सामान्य निर्वाचन कार्यों में वर्षों से लगातार योगदान दे रहे आउटसोर्स कर्मचारी अब विरोध के मूड में आ गए हैं। वर्ष 2016-17 से चुनावी दायित्वों में सक्रिय रूप से कार्यरत ये कर्मचारी हाल ही में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के दौरान दिन-रात काम कर रहे हैं। 23 दिसंबर 2025 के बाद से इन्हें शनिवार और रविवार को भी बिना रुके ड्यूटी करनी पड़ रही है। इसके बावजूद 11 माह से पारिश्रमिक का भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों में भारी नाराजग़ी है।कर्मचारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर रात-दिन कार्य कराया

गया, लेकिन मेहनताना आज तक नहीं दिया गया। लगातार मानसिक और शारीरिक दबाव के बावजूद न तो बकाया वेतन मिला और न ही शासन स्तर से कोई ठोस जवाब। इसी असंतोष के चलते आउटसोर्स कर्मियों ने 19 जनवरी को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को संयुक्त हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों के समाधान के लिए 5 दिन की सांकेतिक हड़ताल की घोषणा की है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने अपनी सभी प्रमुख मांगें समाहित करते हुए स्पष्ट किया है कि मानदेय का बकाया भुगतान तुरंत जारी किया जाए, हाई कोर्ट के निर्देशानुसार 11 माह का वेतन बिना देरी के दिया जाए, चुनावी अवधि में कराए गए ओवरटाइम का भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर संविदाकरण/नियमितिकरण का लाभ प्रदान किया जाए।कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 05 दिवस के भीतर समाधान नहीं होता, तो वे चरणबद्ध तरीके से आंदोलन को और आगे बढ़ाने के लिए मजबूर होंगे। इस आंदोलन का असर जिले की निर्वाचन तैयारियों पर पड़ सकता है, जिसकी आशंका स्वयं कर्मचारियों ने भी व्यक्त की है। अब प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया का इंतज़ार है, ताकि लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का निराकरण हो सके और स्थिति सामान्य हो।

बंधा बाजार के पास दर्दनाक सडक़ हादसा

स्कूटी सवार युवक की मौके पर मौत, ट्रक जप्त

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना अंतर्गत बंधा बाजार के पास रविवार शाम करीब 7 बजे सडक़ हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में हडक़ंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान करन सिंह गोंड़ पिता सूर्यभान सिंह, उम्र 24 वर्ष, निवासी देवरी, थाना जयसिंहनगर के रूप में हुई है। बताया गया कि करन सिंह रविवार शाम स्कूटी से बंधा बाजार से जयसिंहनगर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक क्रमांक सी जी 10 बी आर 7310 ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद ट्रक ले कर चालक मौके से फरार हो गया। घटना को देख स्थानीय लोगों ने तुरंत जयसिंहनगर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने ट्रक का पीछा किया और कुछ ही दूरी पर ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर वाहन सहित थाने लाया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है वहीं, युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में मातम पसर गया है। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

खबर संक्षेप

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पुष्पराजगढ़ में आयोजित हुआ विशेष शिविर

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के स्व सहायता भवन में आयोजित विशेष शिविर में आवेदकों तथा बैंकर्स की उपस्थिति में 890 में से 350 आवेदनो के निराकरण के लिए कार्यवाही की गई। शेष प्रकरणों में आवश्यक दस्तावेज प्रतिपूर्ति कर निराकरण कार्यवाही की जाएगी। शिविर में बड़ी संख्या में आवेदक उपस्थित थे। शिविर में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने सहभागिता कर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों से चर्चा की तथा इस संबंध में बैंकर्स तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर में सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के एलडीएम दिनेश निगम, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गणेश पाण्डेय, एसबीएम बीसी पुष्पेंद्र तिवारी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी वरुणेंद्र सिंह बघेल, कार्यालय सहायक अर्पित पाण्डेय, बैंकर्स तथा सर्व संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

रोमांचक मैच में शहडोल को दी दस रनों से मात

पहले सेमीफाइनल में बिलासपुर ने शहडोल को किया पराजित

बुढ़ार। नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल रेलवे बिलासपुर और डीसीए शहडोल के बीच खेला गया, उतार-चढ़ाव भरे इस रोमांचक मैच में रेलवे बिलासपुर की टीम ने डीसीए शहडोल को मात दे कर प्रतियोगिता के फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

टॉस के दौरान ये रहे उपस्थित

आज के मैच में टॉस के दौरान अतिथियों के तौर पर अभिभाषक संघ बुढार के अध्यक्ष जयकांत मिश्र ,मनोज तिवारी उपाध्यक्ष,कुलदीप मिश्र , तेजराज सिंग,राकेश तिवारी,निलेश सिंह ,पराग गर्ग,प्रांजल मिश्र एडवोकेट, जानू छाबड़ा रहे, जिन्होंने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया एवं टॉस की औपचारिकताएं पूरी की।

टॉस जीतकर शहडोल ने चुनी गेंदबाजी

मैच का टॉस डीसीए शहडोल ने जीता और पिच का मिजाज भांपते हुए शहडोल के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया , शहडोल का यह फैसला तब प्रभावी दिखा जब बिलासपुर के प्रारंभिक बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए, लेकिन मध्यक्रम और पुछल्ले बल्लेबाजों के उपयोगी योगदानों से बिलासपुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकटों के नुकसान पर 157 रनों का स्कोर खड़ा किया , बिलासपुर की ओर से बल्लेबाज पवन ने 37, विक्रांत सिंह ने 28 और नयन राजकुमार ने 24 रन बनाए , शहडोल की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए गेंदबाज हर्ष दीक्षित ने 4 और मासूम रजा ने 3 विकेट लिए ।

शानदार शुरुआत के बाद शहडोल ने निराश किया 158 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी शहडोल की टीम के प्रारंभिक बल्लेबाजों ने अपनी टीम के लिए शानदार शुरुआत करते हुए अपनी टीम को बेहतरीन शुरुआत दी , प्रारंभिक ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने पावर प्ले का फायदा उठाते हुए टीम को शुरुआती 6 ओवरों में ही 60 रन बना कर अपने खेमे को जीत की उम्मीद दिला दी , लेकिन बाद में बिलासपुर के अनुभवी गेंदबाजों ने अपनी टीम को अपनी शानदार गेंदबाजी के बदौलत मैच में वापस का दिया , बिलासपुर के शानदार गेंदबाजी के आगे शहडोल का मध्यक्रम पस्त हो गया और पूरी टीम 20 ओवरों में 9 विकेट पर 147 ही बना सकी और इस सेमीफाइनल को दस रनों से गंवा बैठी , शहडोल की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज लखन पटेल ने 53 और सचिन विश्वकर्मा ने 26 रन बनाए इनके अलावा और किसी बल्लेबाज ने कोई खास प्रदर्शन नहीं किया , बिलासपुर की ओर से गेंदबाज मोहित राउत और अतुल शर्मा ने 3-3 विकेट लिए , बिलासपुर ने यह मुकाबला 10 रनों से जीत लिया। बिलासपुर टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले कप्तान मोहित राउत को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हे ग्राम विक्रमपुर के पूर्व उपसरपंच कन्हैया चौरसिया ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक

टूर्नामेंट में आज बिलासपुर टीम के प्रायोजक अनिल अग्रवाल, भारत कचेर , जय कुमार जालूजा एवं रवि द्विवेदी रहे जबकि शहडोल टीम के प्रायोजक शानू एवं जानू छाबड़ा रहे। मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और राकेश त्रिपाठी ने की , जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद , अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला । पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला। मैच की समाप्ति के दौरान पुरस्कार समारोह में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा, जनपद पंचायत बुढार के सीईओ राजीव लघाटे ,पुष्पेंद्र ताम्रकार इत्यादि उपस्थित रहे ।

ये हैं आयोजन समिति के सदस्य

इस पूरे आयोजन समिति के प्रमुख बुढार के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी तथा सदस्यों के रूप में अनिल सोनी , श्रीनिवास द्विवेदी, पवन नियर्सेस, अवधेश पांडे (पिंटू) , राजीव त्रिपाठी , राकेश त्रिपाठी , महेंद्र त्रिपाठी , योगेंद्र सिंह इत्यादि प्रमुख हैं ।

भू-माफिया की गुंडागर्दी

चंदिया पटवारी को दी जान से मारने की धमकी

शासकीय कार्य में डाली बाधा

उमरिया। जिले के चंदिया तहसील में एक कथित भू-माफिया और असामाजिक तत्व की दबंगई ने प्रशासनिक गलियारों में हडक़ंप मचा दिया है। शासन की महत्वपूर्ण धारणाधिकार योजना के अंतर्गत सर्वे कार्य कर रहे पटवारी को सरेआम न केवल गालियां दी गईं, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए शासकीय कार्य रोकने का दुस्साहस किया गया। आरोपी अंजनी द्विवेदी के खौफ और अभद्र व्यवहार के कारण अब राजस्व विभाग के कर्मचारी अपनी सुरक्षा को लेकर गहरे तनाव में हैं।

सर्वे के दौरान सरेआम गुंडागर्दी

मिली जानकारी के अनुसार चंदिया हल्का पटवारी अपने सहयोगियों के साथ शासन के निर्देशानुसार धारणाधिकार योजना का सर्वे कर रहे थे। इसी दौरान क्षेत्रीय असामाजिक तत्व अंजनी द्विवेदी वहां पहुंचा और पटवारी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपी ने अपनी रसूख का धौंस दिखाते हुए पटवारी को धमकाया कि वह कलेक्टर, तहसीलदार और टीआई सबको अपनी जेब में रखता है। आरोपी ने पटवारी पर अनुचित दबाव बनाते हुए कहा मैं जैसा बोलता हूं वैसा काम कर, वरना तुझे जान से मार डालूंगा।

भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े का जाल

आरोपी अंजनी द्विवेदी ने पटवारी के सामने यह स्वीकारोक्ति भी की कि वह ग्राम बड़वार की अहस्तांतरित (नॉन-ट्रांसफरेबल) जमीनों को पटवारियों से मिलीभगत कर खसरे में दर्ज करवा लेता है। उसने पटवारी को धमकाते हुए कहा कि वह अपनी मर्जी से जमीनों के रिकॉर्ड बदलवाता है और अगर पटवारी ने उसकी बात नहीं मानी, तो उसे चंदिया से भगा दिया जाएगा। पटवारी द्वारा अनुनय-विनय करने के बावजूद आरोपी का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उसने तहसीलदार तक को देख लेने की धमकी दी।

दहशत में राजस्व अमला, कार्य ठप्प

इस घटना के बाद से पटवारी और स्थानीय राजस्व कर्मचारी गहरे सदमे और दहशत में हैं। आरोपी की धमकियों के कारण पटवारी अपने हल्का क्षेत्र में सीमांकन, पंचनामा और प्रतिवेदन जैसे महत्वपूर्ण न्यायालीन और शासकीय कार्य नहीं कर पा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि अंजनी द्विवेदी एक आदतन अपराधी है, जो जाली दस्तावेज तैयार कर जमीन बेचने और भू-माफिया के तौर पर काम करने में माहिर है। तहसील कार्यालय में आए दिन गाली-गलौज और मारपीट करना उसकी पहचान बन चुकी है। आरोपी ने सरेआम शासकीय कार्य में बाधा डाली है और एक लोकसेवक को जान से मारने की धमकी दी है। ऐसे तत्वों का मनोबल गिरना आवश्यक है ताकि कर्मचारी निर्भीक होकर कार्य कर सकें।

पुलिसिया कार्रवाई और मांग

घटना की गंभीरता को देखते हुए पटवारी ने चंदिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी अंजनी द्विवेदी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में मामला पंजीकृत कर लिया है। वर्तमान में पुलिस आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही है। राजस्व विभाग और जिला प्रशासन के कर्मचारियों ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि उक्त भू-माफिया को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। कर्मचारियों का कहना है कि यदि ऐसे दबंगों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन असंभव हो जाएगा।

एम पी ई सेवा मोबाइल एप पर विभिन्न विभागो की आनलाइन सेवाओं का लिया जा सकता है लाभ

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की ऑनलाईन सेवाओं को प्रदान कराने के लिए एमपी ई सेवा मोबाईल एप्प प्लेस्टोर एप्पल स्टोर पर उपलब्ध है नागरिक एमपी ई-सेवा एमपी ई सेवा पर उपलब्ध सेवाओं के लिए आवेदन कर सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं तथा ऑनलाईन आवेदन की स्थिति जान सकतें हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण करते हुए ए ग्रेड मे आना सुनिश्चित करें । बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें।उन्होने कहा कि संकल्प से समाधान में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण प्रकरणवार करे । इस कार्य को गंभीरतापूर्वक किया जाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या , प्रभारी एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज,पाली मीनाक्षी इंगले ,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु गोविंद सिंह जी की 359वीं जयंती पर दो दिवसीय आयोजन

गुरु नानक गुरुद्वारा अमरकंटक में नगर संकीर्तन व प्रभात फेरी एवं विशाल लंगर के साथ संपन्न

अमरकंटक। धार्मिक तीर्थ स्थल एवं पर्यटन केंद्र पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित गुरु नानक गुरुद्वारा में सिखों के दशम गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी की 359वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर आयोजित दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। गुरु नानक गुरुद्वारा परिषद के तत्वावधान में गुरुद्वारा परिसर से प्रारंभ हुई भव्य एवं आकर्षक नगर संकीर्तन यात्रा में दूरस्थ अंचलों से आए सिख समाज के पुरुष एवं महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालुओं द्वारा पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को सुसज्जित वाहन में विराजमान कर भजन-कीर्तन करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से यात्रा निकाली गई। श्रद्धा एवं आस्था के आधार स्तंभ श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के वाहन के आगे पंज प्यारे पूरे सम्मान एवं मर्यादा के साथ चलते रहे। नगर संकीर्तन के दौरान स्थान-स्थान पर उत्साहित नवयुवकों द्वारा साहसिक करतबों का प्रदर्शन किया गया तथा पटाखे फोड़कर श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास व्यक्त किया। नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए यात्रा पुनः गुरु नानक गुरुद्वारा परिसर पहुंची, जहां विधिवत भजन, पूजन एवं आरती के पश्चात श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को सम्मानपूर्वक गुरुद्वारा में स्थापित किया गया। दूसरे दिन प्रातःकाल विशाल प्रभात फेरी भजन-कीर्तन के साथ निकाली गई। इसके पश्चात रविवार, 18 जनवरी को बिलासपुर संगत के सहयोग से विशाल लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के पावन उपलक्ष पर गुरुद्वारा परिसर में निरंतर गुरबाणी पाठ एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया तथा गुरुद्वारा को आकर्षक ढंग से सजाया गया। आयोजन संबंधी विस्तृत जानकारी रायपुर से पधारे सरदार तेजेंद्र सिंह कपूर द्वारा दी गई। इस पावन अवसर पर बिलासपुर, रायपुर, मुंगेली, लोरमी, तखतपुर, पेंड्रा रोड एवं पेंड्रा से सैकड़ों की संख्या में सिख समाज के पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रंथि विनय सिंह, प्रमुख सरदार जंग सिंह, सरदार हरदेव सिंह ग्रेवाल, सरदार तेजेंद्र सिंह, सरदार बलवीर सिंह, सरदार सुखविंदर सिंह सहित अनेक गणमान्यजन

जैतहरी को मिला विकास का नया आयाम

पद्म विभूषण रतन टाटा व्यापार परिसर का भव्य लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। नगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में पद्म विभूषण रतन टाटा व्यापार परिसर का भव्य लोकार्पण समारोह जैतहरी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद द्वारा किया गया जिसमें नगर के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, व्यापारियों, महिलाओं एवं युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समारोह की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने की, जबकि कार्यक्रम में सीएमओ भूपेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व उपाध्यक्ष विंध्य विकास प्राधिकरण अनिल गुप्ता, सभापति कैलाश मरावी, सभापति श्रीमती कविता राठौर, पार्षद वार्ड क्रमांक 10 श्रीमती सरिता राठौर, पार्षद वार्ड क्रमांक 15 श्रीमती सुनीता जैन, पार्षद वार्ड क्रमांक 7 शकीला अब्दुल जलील, पार्षद वार्ड क्रमांक 8 आनंद अग्रवाल, पार्षद वार्ड क्रमांक 11 जानकी रजक सहित अनेक जनप्रतिनिधि मंचासीन रहे। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों में राहुल गुप्ता, नरेश नापित, शेख अब्दुल जलील, लाल प्रताप राठौर, मोहम्मद बोहरा, दिनेश कोल, ओमप्रकाश कनकने, राजकुमार मिश्रा, भागचंद जैन, सिद्धार्थ सिंह राजा भैया, लीलाधर राठौर, बसंत जैन, गोपाल दास नामदेव, पुरुषोत्तम अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, प्रकाशचंद गुप्ता, दुर्गा गुप्ता, केदारनाथ गुप्ता, शीतला शर्मा, तस्लीम जुंजानी, काशिफ, नफीस, मनीष गुप्ता, रामचंद्र दुबे, अनिल प्रजापति, बसंत पाठक, अशोक राठौर, जगदीश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, शिव सराफ, प्रेमानंद द्विवेदी, मोहम्मद हुसैन बोहरा, अरविंद अवस्थी, विनोद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने कहा कि "शिक्षा सभी के लिए आवश्यक है। शिक्षा से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है और जब व्यक्ति विकसित होता है तो नगर भी प्रगति करता है। यह व्यापार परिसर न केवल रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़ाएगा, बल्कि शिक्षा और स्वावलंबन की दिशा में भी नई संभावनाएं खोलेगा। उन्होंने परिसर को नगर के आर्थिक-सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए नगर परिषद की जनकल्याणकारी योजनाओं को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। सीएमओ भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यह व्यापार परिसर सुव्यवस्थित शहरी विकास का उदाहरण है जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। समारोह के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं नगरवासियों ने व्यापार परिसर के लोकार्पण पर हर्ष व्यक्त किया और इसे जैतहरी के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक सशक्त कदम बताया।

जाम में घंटों फंसे रहे दोपहिया व बड़े वाहन

कोतमा। कोतमा से केशवाही मार्ग में सोमवार को सुबह कांटा घर के पास ट्रांसपोर्टरों ने धान की गाड़ियों को कांटा कराने के चक्कर में रास्ते के दोनों ओर धान से भरे ट्रकों को खड़ा कर दिया। जिससे केशवाही एवं कोतमा की ओर से आने वाले दोपहिया वाहन व बड़े-बड़े वाहन जाम में घंटों फंसे रहे। धान से लदे ट्रक सड़क पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े रहते है जाम के कारण आम लोग स्कूल के बच्चे व ऑफिस जाने वाले और मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है लोगों ने कहा है कि कांटा घर के सामने आये दिन यह समस्या निर्मित हो रही है स्थानीय प्रशासन इस ओर ध्यान दें किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना न घटित हो जाये।

11 हजार वोल्ट की मौत की लाइन के खिलाफ फूटा जनआक्रोश

पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण उतरे विरोध पर

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। परासी गांव से होकर गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन ग्रामीणों के लिए जानलेवा खतरा बन चुकी है बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही को लेकर अब ग्रामीणों का सब्र टूटता नजर आ रहा है पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि इस खतरनाक लाइन को लेकर कई बार मौखिक एवं लिखित शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी न तो मौके पर पहुंचे और न ही किसी प्रकार की सुधारात्मक कार्रवाई की गई ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही के चलते किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विद्युत विभाग एवं प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि वे अपनी फरियाद लेकर पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक इसी गांव के निवासी विसाहुलाल सिंह के पास भी पहुंचे लेकिन समाधान न निकलने से लोगों में नाराजगी व्याप्त है। पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह के साथ इस विरोध में गांव के अनेक ग्रामीण शामिल रहे आवेदन एवं आंदोलन में अजय सिंह,

दिनेश सिंह, बलराम सिंह, रंजीत सिंह, कुंवर सिंह, आशुतोष सिंह, मान सिंह, मोहन सिंह, प्रवीण सिंह, अनिल शर्मा, तिलक राय, बिसाहू सिंह, रमेश प्रसाद, बाबूलाल, महेश, रामकुमार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने मांग की कि सब स्टेशन से बस स्टैंड होते हुए अस्पताल की ओर ले जाई जा रही 11 हजार वोल्ट की लाइन को रिहायशी क्षेत्र से हटाकर गांव के बाहर से निकाला जाए चेतावनी दी गई कि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इनका कहना है

यह कार्य कलेक्टर के आदेश पर और उन्हीं की देखरेख में किया जा रहा है परासी अस्पताल में एक्स-रे मशीन सहित अन्य बड़ी मशीनें आ चुकी हैं जिनके लिए विधायक निधि से फंड दिया गया है ताकि वहां बिजली पहुंचाई जा सके यदि गांव वाले इसका विरोध कर रहे हैं तो विभाग को कोई आपत्ति नहीं है गांव के बाहर से लाइन ले जाना संभव नहीं है, क्योंकि जारी फंड के अंतर्गत ही कार्य किया जाना है इस कार्य में एई, डी साहब की देखरेख है तहसीलदार भी मौके पर आकर ग्रामीणों को समझा चुके हैं इसके बावजूद यदि ग्रामीण सहमत नहीं हैं तो विभाग को कोई आपत्ति नहीं है।

लालमणि प्रजापति
जेई, कोतमा विद्युत विभाग

खबर संक्षेप

अमाड़ी प्राथमिक स्कूल से सामग्री ले गये बदमाश

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम अमाड़ी स्थित प्राथमिक शाला में चोरों ने रसोई घर से गैस सिलेंडर और राशन सहित अन्य सामान पार कर दिया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चोरी की यह घटना 13 से 15 जनवरी के मध्य की है। चोरों ने प्राथमिक शाला के किचिन सेट का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और वहां रखा सामान समेट ले गए। स्कूल की प्रधानपाठिका श्रीमती राधा रैदास की रिपोर्ट के अनुसार चोरों ने 01 गैस सिलेंडर,मध्याह्न भोजन के लिए रखा अनाज, रसोई के बर्तन आदि चोरी कर लिया जिनसी कीमत 6,375 रुपये आंकी गई है। शिकायत पर पुलिस ने धारा 331(4) एवं 305(ए) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

सस्ता सीमेंट का झांसा देकर लाखों की ठगी

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली न्यू एसीसी कॉलोनी में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक जालसाज ने मोबाइल फोन के माध्यम से सस्ते सीमेंट का झांसा देकर एक बुजुर्ग व्यक्ति से 2,30,000 रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता धनेश लालवानी 61 वर्ष निवासी न्यू एसीसी कॉलोनी ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। आरोपी ने खुद को सीमेंट विक्रेता बताकर सस्ते दामों पर सीमेंट उपलब्ध कराने का लालच दिया। सीमेंट की बुकिंग के नाम पर आरोपी ने धनेश लालवानी से उनके बैंक खाते से किस्तों में कुल 2.30 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। घटना 14 एवं 15 जनवरी के बीच की है। रुपये ट्रांसफर होने के बाद जब काफी समय तक सीमेंट की डिलीवरी नहीं हुई, तो प्रार्थी ने संबंधित नंबरों पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने टालमटोल शुरू कर दी और बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। खुद को ठगा महसूस कर धनेश लालवानी ने 16 जनवरी को माधवनगर थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 318(4), 319(2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

मान्यता व नवीनीकरण के लिए अंतिम तिथि 20 जनवरी

कटनी। शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत संचालित सभी अशासकीय विद्यालयों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन माध्यम से मान्यता नवीनीकरण अथवा नवीन मान्यता के लिए आवेदन करना होगा।इसके लिये राज्य शिक्षा केन्द्र ने आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2026 निर्धारित की है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा का अधिकार नियम 11 के उपनियम 4(ग) के तहत यदि कोई स्कूल निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन आवेदन नहीं करता है, तो उस स्कूल को मान्यता विहीन माना जाएगा और विद्यालय का संचालन शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 18 के अंतर्गत दंडनीय अपराध होगा।

विभिन्न वार्डो से पेयजल के 427 सैंपल लेकर की शुद्धता की जांच

कटनी। शहर के प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ नगर निगम कटनी का जल प्रदाय का अमला पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव ने बताया कि जल आपूर्ति की व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए वार्ड स्तर तक व्यापक कार्यवाही की जाकर रोजाना पेयजल आपूर्ति के दौरान सप्लाई किए जाने वाले जल की सैंपलिंग का कार्य जारी हैं। जिसके तहत शुक्रवार शाम तक लगभग 427 पेयजल नमूनों की सैंपलिंग कराई जाकर शुद्धता की जांच चुकी है। वही गठित टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान लीकेज संबंधी शिकायतों को सफलतापूर्वक दुरुस्त किया जा रहा है। पानी की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो, इसके लिए जल विभाग की टीमें लगातार सक्रियता से कार्य करनागरिकों से सीधे संवाद के माध्यम से जलापूर्ति का फीडबैक ले रही है।

भव्यता, दिव्यता एवं आध्यात्मिकता के तर्ज पर नर्मदा महोत्सव की करें तैयारी-कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने नर्मदा महोत्सव को भव्यता, दिव्यता एवं आध्यात्मिकता के दृष्टिकोण से आयोजित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय महोत्सव की तैयारी पूर्व वर्ष की भांति पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ की जाए। कलेक्टर ने कहा कि महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर की साफ-सफाई, मां नर्मदा की शोभा यात्रा, स्थानीय कला का मंचन, टेंट व्यवस्था, सफाई, बेरीकेटिंग, लाइटिंग एवं साउंड सिस्टम, जल स्वच्छता, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधाएं, महाआरती, पूजन, रामघाट की सफाई और कन्या भोज भंडारा जैसी सभी व्यवस्थाओं का समुचित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरे मनोयोग एवं समर्पण के साथ किया जाए।

कलेक्टर श्री पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। कलेक्टर श्री पंचोली ने एमपी ई-सेवा पोर्टल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले के संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पोर्टल की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें और आने वाले सभी आवेदनों को लोक सेवा के माध्यम से पोर्टल में ही प्राप्त करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी पोर्टल में ऑनबोर्ड हों और समस्त आवेदन एवं शिकायतें पोर्टल के माध्यम से ही प्राप्त की जाएं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश शासन की लगभग 550 सेवाएं इस पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पोर्टल के जरिए योजनाओं की पात्रता ट्रैकिंग और डिजिटल प्रमाण पत्र भी प्राप्त किए जा सकते हैं, जिससे नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों दोनों को सुविधा होगी। कलेक्टर श्री पंचोली ने जिले में 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के वोटर आईडी कार्ड निर्माण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने प्राचार्य तुलसी महाविद्यालय को निर्देश दिए कि जिले के समस्त कॉलेजों में विशेष कैंप का आयोजन किया जाए। इस आयोजन की मॉनिटरिंग अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों के वोटर आईडी कार्ड बनाने और आगामी मतदान में उनकी सहभागिता निभाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

राम सजीवन बने राहुल प्रियंका गांधी सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष

शहडोल। कोयलांचल धनपुरी क्षेत्र के सक्रिय और समर्पित कांग्रेस नेता राम सजीवन शर्मा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत संचालित राहुल-प्रियंका गांधी सेवा संगठन में जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश शर्मा तथा मध्य प्रदेश के प्रभारी चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी के दिशा-निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष कैलाश राठौड़ ने उनकी नियुक्ति पर मुहर लगाई है। इस निर्णय के बाद संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए संगठन की मजबूती में उनके योगदान को सराहा है। राम सजीवन शर्मा लंबे समय से कांग्रेस की संगठनात्मक राजनीति में सक्रिय रहे हैं और विशेष रूप से धनपुरी एवं आसपास के क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। कांग्रेस की इंटर शाखा में कई वर्षों तक सेवा देने के दौरान उन्होंने न केवल पार्टी की गतिविधियों को गति दी, बल्कि जमीनी स्तर पर जनसंपर्क और संगठन विस्तार पर भी लगातार काम किया। इसी कार्यशैली और उनकी सरल, मिलनसार छवि को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें एक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। धनपुरी और पूर्वांचल क्षेत्र में कांग्रेस की जड़ों को मजबूत करने में शर्मा की भूमिका हमेशा उल्लेखनीय रही है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान भी उन्होंने संगठन के लिए रणनीतिक और मैदानी दोनों स्तरों पर सक्रिय भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में पार्टी के युवा और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है, जिससे संगठन को लाभ मिला है। यही कारण है कि उनकी नियुक्ति के बाद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद राम सजीवन शर्मा ने कहा कि वे संगठन के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी ऊर्जा और निष्ठा के साथ काम करेंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में संगठन को गांव-गांव तक सशक्त बनाने, युवाओं और आम नागरिकों को जोडने तथा कांग्रेस की विचारधारा को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मन पतंग तन डोरी काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन
आपन डेहरी साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में हुआ आयोजन

शहडोल ।

आपन डेहरी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पटल के तत्वावधान में काव्यगोष्ठी मन पतंग तन डोरी का आयोजन किया गया। आयोजन आपन डेहरी की संयोजक गीत गजलकार किरण सिंह शिल्पी एवं शरण जीत सिंह बघेल के गृह ग्राम पचगांव सुंदर सुरम्य प्राकृतिक वातावरण आयोजित हुआ । काव्य गोष्ठी का आयोजन स्वर्गीय तरुण सिंह नीरज सिंह बघेल स्मृति, मकर संक्रांति एवं महान योद्धा महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया। आयोजन का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नीलमणि द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष गंगाधर राव ढोके, नितिन सिंघई, रुपाली सिंघई रहे । कार्यक्रम का संचालन शिरीष नंदन श्रीवास्तव ने किया ।इस अवसर पर साहित्यकार नीलमणि दुबे को उनकी दीर्घकालीन साहित्य साधना के लिए शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया । शिक्षक कवि मृगेंद्र श्रीवास्तव को भी देशभक्ति के गीतों के लिए श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। काव्य पाठ दो चरणों में आयोजित हुआ। काव्य गोष्ठी में बघेली भाषा बोली के समर्थ रचनाकार रामसखा नामदेव , अंतरराष्ट्रीय कवि अरुण नामदेव , किरण सिंह शिल्पी, मृगेंद्र श्रीवास्तव, मोहम्मद कासिम इलाहाबादी, राजिंदर सिंह राज , विजय उपाध्याय , बृजमोहन सराफ बशर , बलदेवराज शर्मा , डॉ.दुर्गा शंकर श्रीवास्तव , डॉ.हरि प्रिया तुलसी रजनीश सोनी, नीतू सिंह बघेल, अंजू सिंह बघेल , अनीता गोपाल निगम , अरुण शुक्ला संगीता शुक्ला अनिल प्रभात शुक्ल , रामाधार श्रीवास्तव , गिरधारी लाल नापित, डॉ.नितिन कुमार सिंघाई , रक्तदान प्रणेता रुपाली सिंघई, कवयित्री उमा सिंह, प्राप्ति सोनी, नवनीत शर्मा, अभिषेक श्रीवास्तव शिवा, शिवनारायण त्रिपाठी ,विजय बहादुर सिंह कक्कू, जनकदेव पण्डित, करण सिंह, दीपशिखा सिंह, राघव सिंह, कान्हा सिंह, अनेक सुधीजन उपस्थित रहे । काव्य पाठ के पश्चात संयोजक परिवार के दो युवा तरुण सिंह बघेल नीरज सिंह बघेल के असामयिक निधन पर दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई । कार्यक्रम के अंत में आपन डेहरी की संयोजक किरण सिंह शिल्पी ने आभार प्रकट किया।

ऑल इंडिया माली सैनी सभा द्वारा नव वर्ष मिलन एवं सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

शहडोल।

ऑल इंडिया माली सैनी सभा मध्य प्रदेश के तत्वावधान में नगर के राजेंद्र टॉकीज स्थित अशोका पैलेस में नव वर्ष मिलन समारोह महिला शिक्षा का सम्मान समारोह वरिष्ठ समाज सेवी सम्मान समारोह का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस सामाजिक समागम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ऑल इंडिया माली सैनी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सैनी, अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अजय सैनी एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कल्पना ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव मोहन पटेल (जावरा), , विनीता सैनी, प्रदेश सचिव बृजमोहन सैनी, गोविंद सैनी, राजेश सैनी, मनमोहन सैनी, सुशील बाड़ोलिया, रिवा संभाग अध्यक्ष प्रदेश महासचिव विनोद माली, सत्यनारायण कच्छावा ,सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मिलन समारोह का प्रमुख उद्देश्य समाज को संगठित करना, सामाजिक एकता को

सुदृढ़ बनाना तथा शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक उत्थान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सैनी ने युवाओं से शिक्षा के साथ-साथ संगठन से जुडक़र समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही प्रगति की नींव रखता है। मिलन समारोह के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभावान व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि एकजुटता, सकारात्मक सोच और सामाजिक चेतना के माध्यम से माली समाज प्रदेश एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राकेश सैनी डब्बू, अनिल भालू सैनी राहुल सैनी, ऋषि माली, विनोद माली, दीपक माली बुढार दीपक सैनी शहडोल, सोनू ,शंभू सैनी, प्रवीण सैनी, विकास सैनी, विजय सैनी, राजू शारदा एवं लता सैनी रेखा सैनी ज्योति सैनी रेनू सैनी गीतांजलि सैनी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का औपचारिक आभार प्रदर्शन राकेश सैनी (पप्पू)द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती चारुलेखा बड़ोलिया ने किया।

बुजुर्गों की उपेक्षा करने वालों की अब खैर नहीं
अपनों के जुल्म के खिलाफ ढाल बनेगा कानून

शहडोल।

आधुनिकता की अंधी दौड़ में संयुक्त परिवारों का बिखरना और बुजुर्गों को हाशिए पर धकेलना समाज के लिए एक घातक कैंसर बनता जा रहा है। इसी गंभीर विषय पर प्रहार करते हुए सीनियर सिटीजन एसोसिएशन द्वारा आयोजित न्यायिक परामर्श कार्यक्रम में जिला सत्र न्यायाधीश काशीनाथ सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी कि बुजुर्गों का सम्मान केवल संस्कार नहीं, बल्कि उनका कानूनी अधिकार है। उन्होंने दोटूक कहा कि जो बच्चे अपने माता-पिता के स्वास्थ्य और भरण-पोषण में लापरवाही बरतेंगे, कानून उनके विरुद्ध कठोरतम प्रहार करेगा।

वसीयत रद्द करने की ताकत

मुख्य अतिथि काशीनाथ सिंह ने बुजुर्गों को जागरूक करते हुए बताया कि सीनियर सिटीजन कार्ड महज एक दस्तावेज नहीं, बल्कि उनके अधिकारों का ब्रह्मास्त्र है। उन्होंने आगाह किया कि यदि बच्चे सेवा नहीं करते, तो बुजुर्गों के पास अपनी वसीयत तक रद्द कराने का कानूनी अधिकार है। न्यायपालिका अब बुजुर्गों के आवेदनों पर 90 दिनों के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है।

अनुभव के खजाने का अपमान दुर्भाग्यपूर्ण

विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश सीता शरण यादव ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखते हुए कहा कि आज की पीढ़ी पढ़ाई को ज्ञान समझ रही है, जबकि असली अनुभव बुजुर्गों के पास है। उन्होंने 2007 के अधिनियम का हवाला देते हुए बताया कि बुजुर्गों की उपेक्षा करने वालों को 3 माह का कारावास भुगतना पड़ सकता है। वहीं जिला विधिक सेवा अधिकारी देवेश सिंह ने भावुक लहजे में कहा जिन्होंने उम्र बिता दी बच्चों की फिक्र में आज बच्चे उन्हीं की कमियों का जिक्र कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी बुजुर्गों की संपत्ति का वारिस बनेगा, उनकी सेवा करना उसकी अनिवार्य कानूनी जिम्मेदारी होगी।

सृजन और संरक्षण का संकल्प

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष एम.एल. मंत्री ने संस्था के गौरवशाली इतिहास को साझा किया। न्यायाधीश प्रीति सिंह ने भी बुजुर्गों के स्वस्थ और सुरक्षित जीवन की कामना की। यह कार्यक्रम उन संवेदनहीन संतानों के लिए एक सख्त संदेश है जो बुजुर्गों को बोझ समझते हैं। शासन और न्यायपालिका अब पूरी तरह मुस्तैद है कि समाज के इस अनुभव के खजाने को किसी भी हाल में असुरक्षित न होने दिया जाए।

यूनियन बैंक बुढार या झमेले की दुकान
रसूख के नशे में चूर प्रबंधन

बुढार।

सार्वजनिक क्षेत्र का यूनियन बैंक अब सेवा का केंद्र न रहकर ग्राहकों के शोषण का अड्डा बन चुका है। बुढार शाखा में तैनात अधिकारी और कर्मचारी खाताधारकों के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे कोई अपराधी हों। बैंक की दहलीज पर कदम रखते ही ग्राहकों को घंटों इंतजार कराना और अंत में कल आना कहकर टरका देना यहां की कार्यसंस्कृति बन गई है।

मेहनतकशों पर दो नंबर का ठप्पा

बैंक की संवेदनहीनता का सबसे घिनौना चेहरा तब सामने आया जब अमृतलाल गुप्ता जैसे छोटे ठेला व्यवसायी के खाते पर बेवजह होल्ड लगा दिया गया। दिनभर धूप में पसीना बहाकर परिवार पालने वाले इस छोटे व्यापारी पर बैंक कर्मचारियों ने यह कहकर मानसिक प्रहार किया कि उसके खाते में दो नंबर का पैसा आ रहा है। बिना किसी ठोस सबूत के एक ईमानदार ग्राहक पर ऐसे गंभीर आरोप लगाना बैंक कर्मियों की मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। डिजिटल इंडिया के दौर में जब छोटा व्यापारी फोन-पे से भुगतान लेता है, तो उसे करंट अकाउंट के नाम पर डराया-धमकाया जा रहा है।

हेराफेरी की शिकायतें, फिर भी मैनेजर मौन

यह पहला मौका नहीं है जब बुढार यूनियन बैंक विवादों में है। इससे पहले भी ग्राहकों की जमा राशि में हेर-फेर और दुर्व्यवहार की कई शिकायतें उच्चाधिकारियों तक पहुंच चुकी हैं। इसके बावजूद, बैंक मैनेजर द्वारा आरोपी कर्मचारियों को संरक्षण देना कई संदेह पैदा करता है। ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम की सुविधाओं के दावे यहां फेल हैं, ग्राहक अपने ही पैसों के लिए भिखारियों की तरह चक्कर काटने को मजबूर हैं।

तत्काल हो शुद्धिकरण

बैंक की साख को बट्टा लगाने वाले ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त करने की आवश्यकता है। एक ओर सरकार बैंकिंग को सरल बनाने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर बुढार यूनियन बैंक के ये सफेदपोश कर्मचारी जनता की मेहनत की कमाई पर कुंडली मारकर बैठे हैं। यदि प्रबंधन ने समय रहते संज्ञान नहीं लिया, तो पीड़ित ग्राहकों का आक्रोश बैंक परिसर में किसी बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

रमैया कुटी धाम में श्रीराम महायज्ञ का हो रहा आयोजन
भक्तों के कष्ट दूर करने अवतरित होते है भगवान, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु, बरसाये फूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

खुल गए सारे ताले क्या बात हो गई, जब जन्मे कन्हैया वाह क्या बात हो गई। नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की। भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य अवसर पर जब व्यासपीठ से यह भजन गूंजे तो समूचा वातावरण आनंद से भर गया। अवसर था ग्राम पंचायत राखी स्थित रमैया कुटी धाम मैं चल रहे श्रीराम महायज्ञ में कथा के चतुर्थ दिवस शनिवार का,इस मौके पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का कथा रस बरसा। बालकृष्ण की सुंदर झांकी देख श्रद्धालु विभोर हो गए।

जन्मोत्सव के खास अवसर के लिए कथा पांडाल को गुब्बारों और फूलों से सजाया गया। नन्हें मुन्हें बच्चे भी कृष्ण रूप में श्रद्धालुओं को लुभा रहे थे। वसुदेव जब डलिया में बाल कृष्ण को डलिया में लेकर निकले तो उनकी एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मच गई। श्रद्धालु कृष्णभक्ति में विभोर होकर नाच उठे। कथा वाचक साध्वी पुष्पा देवी ने कहा कि जीव जीवन भर अहंकार में जीता है, लेकिन जब अंत समय निकट आता है तो उसे भगवान याद आते हैं।

जीवन भर किए गए पाप अंत समय की गुहार से नहीं कट सकते, इसलिए प्रतिपल भगवान का सुमिरन करते रहे, जिससे आप पाप कर्मों की ओर नहीं बढ़ेंगे और सत्कर्मों की प्रेरणा मिलती रहेगी। वामन भगवान की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि तीन पग यानि धर्म, अर्थ काम हैं, यदि इनका ठीक प्रकार से

खबर संक्षेप

कचरा फेंकने के विवाद से भड़का जमीन विवाद

बदरा/जमुना। थाना भालूमाडा जोगी टोला देवगवां निवासी महादेव चौधरी पिता स्वर्गीय बाबूलाल चौधरी ने थाना भालूमाडा के थाना प्रभारी विपुल शुक्ला को लिखित आवेदन सौंपते हुए कचरा फेंकने को लेकर हुए विवाद तथा जमीन पर अवैध हस्तक्षेप की शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में उन्होंने स्पष्ट किया है कि विवादित भूमि उनकी माताजी स्वर्गीय सोहगिया पति बाबूलाल चौधरी के नाम पर राजस्व रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज हैं। महादेव चौधरी ने बताया कि उनके घर एवं जमीन के पास कचरा फेंकने को लेकर पहले विवाद हुआ, जो धीरे-धीरे गाली-गलौज, धमकी और जमीन पर जबरन हस्तक्षेप तक पहुंच गया। आरोप है कि विरोध करने पर दबंगई दिखाई गई तथा झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकियां दी गईं, जिससे उनके परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। आवेदन में जिन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है, उनके नाम इस प्रकार हैं माया पति प्रकाश चौधरी, कैमलू चौधरी, ऋषि चौधरी, किशन पिता मिट्ठू लाल एवं इंद्रजीत पिता मिट्ठू लाल। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त सभी लोग मिलकर कचरा फेंकने के बहाने विवाद खड़ा कर उनकी माताजी के नाम दर्ज भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित ने थाना प्रभारी से मामले की निष्पक्ष जांच, भूमि संबंधी अभिलेखों की जांच तथा आरोपियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी आशंका जताई है कि समय रहते कार्रवाई न होने पर कोई अप्रिय घटना घट सकती हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी विपुल शुक्ला ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो चुकी है। मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी

प्रयागराज में मां गंगा के पावन धाम में शंकराचार्य व संतों के साथ अभद्रता शर्मनाक-श्रीधर शर्मा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने व्यथित मन और आक्रोशित स्वर में वर्तमान सरकार और उनकी सुरक्षा प्रणाली पर तंज कसते हुए कहा कि प्रयागराज में मां गंगा की पावन धरा जहां साधु संतों की तपोस्थली के रूप में शुमार है और कई संतों ने अपने तपोबल से मां गंगा के पावन धाम को सुसज्जित किया। वर्तमान समय में साधुओं और संतों को अपमान और उद्दंड मानसिकता का दंश झेलना पड़ रहा है जो कि आने वाले समय में सृष्टि के संचालन के दृष्टिगत उचित नहीं है और वर्तमान सरकार और उनकी सुरक्षा प्रणाली की यह शर्मनाक हरकत है जो कि इस देश में सनातनी ध्वज को लेकर अग्रसर समस्त सनातनियों को प्रताड़ित करने पर आमादा हैं और निरंतर इस प्रकार के कृत्य आम हो चले हैं। शर्मा ने बताया कि यह सुनकर मन व्यथित है कि ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य परम पूज्य गुरुदेव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज अपने शिष्यों सहित मां गंगा के दर्शन व स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे थे जहां सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही उत्तर प्रदेश पुलिस योगी राज में गुंडाराज चलाती हुई दिखाई दी और उनके शिष्यों को बाल पकड़कर मारपीट कर अपनी कुंठित मानसिकता का परिचय दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी स्वयं एक संत समुदाय के प्रतिष्ठित संत हैं फिर उनके राज्य में संतो की यह दुर्दशा क्यों। आखिर संत समुदाय को कब तक इस प्रकार के अपमान का हलाहल पीना पड़ेगा क्या संतो के ऐसे अपमान पर सरकार कोई ठोस कदम उठाएगी। कहीं संतो का यह अपमान किसी बड़े प्रलयंकारी परिणाम का संकेत तो नहीं।

छात्राओं का लापता होना, अव्यवस्था, अनियमितता और कमजोर प्रशासन की भयावह तस्वीर

कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ में सुरक्षा के नाम पर धोखा

फालोअप

हरिभूमि
नाबालिग आदिवासी छात्राएं हुई लापता
जिम्मेदार अफसर रहते है नदारत, नियमों की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

लापरवाह प्रशासन, सवालों के कटघरे में जिम्मेदार अधिकार

मध्यप्रदेश शासन द्वारा आदिवासी अंचल की बेटियों की सुरक्षित शिक्षा के उद्देश्य से स्थापित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ आज खुद असुरक्षा का प्रतीक बन गया है। यहां पढ़ाई से ज्यादा खतरे में छात्राओं की जान और भविष्य है। लगातार नाबालिग आदिवासी छात्राओं का छात्रावास से लापता होना, अव्यवस्था, अनियमितता और कमजोर प्रशासन की भयावह तस्वीर सामने ला रहा है।

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम।

पुष्पराजगढ़ विकासखंड का एकमात्र शासकीय कन्या शिक्षा परिसर जो आदिवासी बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का सपना लेकर खड़ा किया गया था, आज प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। जिस परिसर में सुरक्षा, अनुशासन और संवेदनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए थी, वहां जिम्मेदार अधिकारी ही गैर-जिम्मेदार बने बैठे हैं। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद प्राचार्य डॉ. चित्रा सोनवानी और छात्रावास अधीक्षिका बसंता मरावी का परिसर में निवास न करना गंभीर सवाल खड़े करता है। 13 जनवरी को कक्षा 11वीं की दो नाबालिग छात्राओं का छात्रावास से लापता होना कोई साधारण घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी का खुला सबूत है। इससे पहले कक्षा 9वीं की छात्रा के लापता होने की घटना भी सामने आ चुकी है। बावजूद इसके न तो ठोस कार्रवाई हुई और न ही जवाबदेही तय की गई। सवाल साफ है कि क्या आदिवासी बेटियों की सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित है?

दो छात्राओं के लापता होने से हड़कंप

14 जनवरी को कक्षा 11वीं की दो छात्राओं के अचानक लापता होने से परिसर में अफरा-तफरी मच गई थी। हैरानी की बात यह रही कि घंटों तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया रहा है। परिजनों के दबाव के बाद 15 जनवरी को थाना राजेंद्रग्राम में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने छात्राओं को जबलपुर के आसपास से बरामद किया। यह घटना छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था पर करारा तमाचा है। नाबालिग छात्राएं बिना किसी रोक-टोक के परिसर से बाहर कैसे चली गईं, इसका जवाब देने वाला कोई जिम्मेदार नहीं है।

परिसर में नहीं रहते जिम्मेदार

शासन के नियम स्पष्ट हैं कि आवासीय विद्यालय में प्राचार्य और अधीक्षिका का परिसर में रहना अनिवार्य है। इसके बावजूद दोनों अधिकारियों का गैरहाजिर रहना लापरवाही की पराकाष्ठा है। यदि जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद होते, तो शायद ऐसी घटनाएं होती ही नहीं। इससे पहले भी कक्षा 9वीं की छात्रा के लापता होने पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई, जिससे लापरवाहियों को खुला संरक्षण मिलता रहा है।

कब तय होगी प्रशासनिक जिम्मेदारी?

प्राचार्य और अधीक्षिका एक-दूसरे के पाले में सवाल फेंक कर अपनी जिम्मेदारी से बचती नजर आ रही हैं। रिपोर्ट दर्ज कराना ही अगर कर्तव्य था, तो छात्राओं की सुरक्षा किसकी जिम्मेदारी है? संभाग में इस वित्त वर्ष में छात्रावासों से जुड़ी 9 से अधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अमला बंद कमरों में आंकड़ों की बाजीगरी कर अपनी पीठ थपथपाने में जुटा है। कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ की घटनाएं आमजनों के विश्वास पर गहरा कुठाराघात हैं। गरीब और जनजातीय परिजन भय और असहायता में जी रहे हैं। अब सवाल यह नहीं कि जांच होगी या नहीं, बल्कि यह है कि कब तक आदिवासी बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ यूं ही चलता रहेगा? यदि अब भी सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो अगली घटना की पूरी जिम्मेदारी इसी संवेदनहीन सिस्टम की होगी।

जिम्मेदार अफसर बेखबर, सूचना तंत्र पूरी तरह फेल

इतने गंभीर और संवेदनशील मामले में अनुविभागीय दंडाधिकारी पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट को किसी भी स्तर पर कोई आधिकारिक जानकारी न दिया जाना प्रशासनिक उदासीनता की पराकाष्ठा को दर्शाता है। छात्राओं के लापता होने जैसी गंभीर घटना की सूचना न तो समय पर एसडीएम को दी गई और न ही उच्च अधिकारियों को विश्वास में लिया गया। यह स्थिति बताती है कि विभागीय समन्वय पूरी तरह ध्वस्त है और जिम्मेदार अधिकारी अपनी जवाबदेही से बचते नजर आ रहे हैं। जिस मामले में तत्काल प्रशासनिक हस्तक्षेप आवश्यक था, वहां जानकारी छिपाना या लापरवाही बरतना सीधे तौर पर आदिवासी छात्राओं की सुरक्षा से खिलवाड़ है। सवाल यह उठता है कि जब एसडीएम तक को जानकारी नहीं, तो आखिर निगरानी कौन कर रहा है और व्यवस्था किसके भरोसे चल रही है? बहरहाल इस मामले को लेकर जब मीडिया ने एसडीएम पुष्पराजगढ़ से जानकारी ली तब उन्हें इस मामले की सूचना नहीं थी पता करने की बात कही गई तब जाकर मामले का पता किया और कार्यवाही के लिए निर्देशित किया है।

इनका कहना है

छात्रावास में जांच की गई है नोटिस जारी की गई है आगे की कार्यवाही जारी है।

संतोष बाजपेई
जिला समन्वयक जनजातीय कार्य विभाग

इस पूरे मामले के दौरान मै मेडिकल लीव पर रही हूं।

डॉ चित्रा सोनवानी
प्राचार्य, कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़

पहले मामले की जानकारी नहीं थी बाद में बताया गया कि बच्चियों को सुरक्षित जबलपुर से लाया गया है सुरक्षा में बच्चियों के चूक हुई है जांच के आदेश दे दिए है जांच उपरांत कार्यवाही की जाएगी।

वसीम अहमद भट्ट, आईएएस
एसडीएम, पुष्पराजगढ़

एमबी पावर लिमिटेड जैतहरी में रेल लोडिंग टर्मिनल का उद्घाटन

अल्ट्राटेक सीमेंट, मैहर के लिए पहली फ्लाई ऐश रैक को जिला कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

एमबी पावर (मध्य प्रदेश) लिमिटेड, जैतहरी द्वारा फ्लाई ऐश की आपूर्ति हेतु स्थापित रेल लोडिंग टर्मिनल के उद्घाटन एवं पहली रेल रैक के प्रेषण के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली ने एमबी पावर (म.प्र.) लिमिटेड, जैतहरी से अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के मैहर स्थित सीमेंट संयंत्र के लिए फ्लाई ऐश से लदी पहली रेल रैक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इस महत्वाकांक्षी परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया। समारोह में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा, "फ्लाई ऐश के प्रभावी उपयोग के लिए एमबी पावर (म.प्र.) लिमिटेड द्वारा की गई यह पहल पर्यावरण संरक्षण एवं सतत औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अल्ट्राटेक सीमेंट के साथ यह सहयोग औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करता है तथा स्वच्छ पर्यावरण के लिए जिम्मेदार संसाधन उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।" कंपनी प्रबंधन की ओर से मानव संसाधन प्रमुख आर. के. खटाना ने कहा, "एमबी पावर सदैव पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी औद्योगिक संचालन एवं नियामक दिशानिर्देशों के कड़ाई से अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध रही है। अल्ट्राटेक सीमेंट को फ्लाई ऐश आपूर्ति की शुरुआत हमारे लिए गर्व का विषय है। यह परियोजना न केवल हमारी परिचालन दक्षता को दर्शाती है, बल्कि 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को भी साकार करती है।" ऑपरेशन और मेंटेनेंस प्रमुख टी. एम. पाई ने कहा, "हमारी तकनीकी एवं परिचालन टीमों ने फ्लाई ऐश की निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की हैं। रेल रैक के माध्यम से परिवहन अधिक सुरक्षित, किफायती एवं पर्यावरण के अनुकूल होगा। यह परियोजना हमारी परिचालन दक्षता एवं सुरक्षा मानकों को और मजबूत करती है।" रेल मार्ग से फ्लाई ऐश के परिवहन के आरंभ होने से सड़क मार्ग द्वारा होने वाला परिवहन उल्लेखनीय रूप से कम होगा, जिससे धूल उत्सर्जन में कमी आएगी तथा आसपास के क्षेत्र को पर्यावरणीय लाभ प्राप्त होगा। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की ओर से प्रतिनिधि अनिल महेश्वरी ने कहा, "एमबी पावर के साथ यह साझेदारी अल्ट्राटेक सीमेंट की सतत निर्माण प्रक्रिया एवं हरित विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है। फ्लाई ऐश के उपयोग से उत्पादन में सुधार होगा तथा कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में भी सहायता मिलेगी। हम इस दीर्घकालिक सहयोग को लेकर अत्यंत आशावान हैं।" उल्लेखनीय है कि एमबी पावर (मध्य प्रदेश) लिमिटेड ने आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के साथ फ्लाई ऐश आपूर्ति एवं समर्पित रेल लोडिंग टर्मिनल के विकास हेतु दीर्घकालिक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य अनूपपुर जिले स्थित एमबी पावर के जैतहरी ताप विद्युत संयंत्र से उत्पन्न फ्लाई ऐश का सतत एवं पर्यावरण अनुकूल उपयोग सुनिश्चित करना है। फ्लाई ऐश के कुशल एवं पर्यावरण सुरक्षित प्रबंधन हेतु अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा ताप विद्युत संयंत्र परिसर में 1,000 मीट्रिक टन क्षमता के चार साइलो स्थापित किए गए हैं। ताप इकाइयों से उत्पन्न फ्लाई ऐश को सीलबंद पाइपलाइन प्रणाली के माध्यम से इन साइलो में पहुंचाया जाएगा तथा इसके पश्चात बंद एवं खुले रेलवे वैगनों जैसे बीसीएफसी, बीटीएपी एवं बॉक्सएन में लोड किया जाएगा।

एमबी पावर (म.प्र.) लिमिटेड एवं अल्ट्राटेक सीमेंट के मैहर संयंत्र के बीच 58 बंद बीसीएफसी वैगनों की एक समर्पित रेल रैक संचालित की जाएगी। बंद वैगनों के उपयोग से प्रदूषण रहित एवं सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित होगा, जिससे धूल उत्सर्जन एवं पर्यावरणीय प्रभावों में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह सहयोग परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को प्रोत्साहित करता है, जिसके अंतर्गत औद्योगिक उप-उत्पादों को सीमेंट निर्माण के लिए उपयोगी संसाधनों में परिवर्तित किया जाता है तथा दोनों कंपनियों की सतत एवं जिम्मेदार औद्योगिक कार्यप्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करता है। इस उद्घाटन समारोह में एमबी पावर (म.प्र.) लिमिटेड एवं अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के सैकड़ों अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल एवं भव्य रहा।

बिजुरी में रेंजर की सख्ती से रेत माफिया पस्त

अब कार्यालय का घेराव कर झूठे केस में फंसाने की साजिश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वन परिक्षेत्र बिजुरी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ रेंजर पवन ताम्रकार की जीरो टॉलरेंस की नीति ने माफियाओं की कमर तोड़ दी है। अपनी गाड़ियां पकड़े जाने से बौखलाए रेत चोरों ने अब प्रशासन पर दबाव बनाने का नया पैंतरा अपनाया है। वन विभाग के कार्यालय के बाहर तमाशा कर सरकारी कर्मचारियों को डराने और उन पर झूठे मुकदमे दर्ज कराने का खेल शुरू हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, जब वन विभाग की टीम अवैध रेत के खिलाफ कार्रवाई कर गाड़ियां जब्त कर रही थी, तब माफियाओं ने उसे रोकने का भरसक प्रयास किया। इस दौरान मौके पर मौजूद वन कर्मियों के साथ छीना-झपटी और हाथापाई की गई। हद तो तब हो गई जब कार्रवाई को प्रभावित करने के लिए महिलाओं को आगे कर शासकीय कार्य में व्यवधान डाला गया। रेंजर की मुस्तैदी के कारण माफिया अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए, तो अब वे धरना-प्रदर्शन का सहारा लेकर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रैक्टर मालिक का 'शिफ्टिंग' का बहाना, पुलिस में शिकायत

कार्रवाई की आंच से बचने के लिए ट्रैक्टर मालिक रवि सिंह बघेल ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया है। शिकायत में तर्क दिया गया है कि ट्रैक्टर अंचल ट्रेडर्स के काम में लगा था। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यदि ट्रैक्टर वैध कार्य में था, तो वन कर्मियों के साथ बदसलूकी और कार्यालय के बाहर हाई-वोल्टेज ड्रामा क्यों किया गया? स्पष्ट है कि यह पूरी कवायद रेंजर और उनकी टीम के मनोबल को गिराने के लिए की जा रही है।

प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती

अवैध कारोबारियों ने अब नई रणनीति अपनाई है "यदि अधिकारी न बिके, तो उसे झूठे आरोपों में उलझा दो।" बिजुरी में भी यही स्थिति दिख रही है। रेंजर पवन ताम्रकार द्वारा की जा रही सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के रसूखदारों के अवैध धंधे बंद हो रहे हैं, जिसके कारण वे अब लामबंद होकर विभाग को डराने की कोशिश कर रहे हैं।

अमरकंटक में रन फॉर स्वच्छ नर्मदा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मां नर्मदा के स्वच्छ निर्मल प्रवाह बनाए रखने के लिए नर्मदा समग्र अमरकंटक के घाट टोली द्वारा रन फॉर स्वच्छ नर्मदा स्वच्छ अमरकंटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजक ने रन फॉर स्वच्छ नर्मदा का उद्देश्य समाज एवं छात्रों में मां नर्मदा के अविरल धार को निर्मल बनाए रखने के लिए भाव जागरण करना है जिससे नर्मदा नदी का जल स्वच्छ रहे। डॉ अनिल कुर्मी ने बताया की अमरकंटक का जंगल जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है। हम जब अमरकंटक मे मां नर्मदा की स्वच्छता की बात करते हैं तब देखने को मिल रहा है की अमरकंटक तपोस्थली से भोगस्थली में परिवर्तित होती जा रही है। यहां आने वाले श्रद्धालु मां नर्मदा के मंदिर में तो श्रद्धा का भाव रखते हैं किंतु जैसे मंदिर से निकल कर अविरल बहती मां नर्मदा के तट पर जाते हैं वह इसे मात्र बहता पानी मानकर गंदा करने से नहीं संकोच करते। घाट पर तेल साबुन के पाउच पानी की बोतल और अपने सभी प्रकार की उपयोग के बाद बचे अवशिष्ट को घाट पर ही छोड़ जाते हैं। हमारी घाट टोली निरंतर घाट सफाई में लगी हुई है हम जब सफाई करने उतरते हैं तो मन इतना व्यथित होता है मानो अमरकंटक आने वाले यात्रियों ने जीवन दायिनी मां को कचरे में बदलने का संकल्प ले लिया है। मां नर्मदा को इस प्रदूषण से बचाने के लिए हमने रन फॉर स्वच्छ नर्मदा कार्यक्रम का आयोजन किया है। आज इसमें विद्या भारती द्वारा संचालित जनजाति छात्रावास के बच्चों ने सहभागिता की है। हम प्रत्येक रविवार अलग-अलग समाजसेवी, संस्थाओं के विद्यार्थीयों एवं पर्यावरण प्रेमियों को स्वच्छ नर्मदा अभियान से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

प्लास्टिक के वन

अमरकंटक का यह दिव्य वन जो मन को शांति और मनमोहन करता है। अब धीरे-धीरे साल के वन से प्लास्टिक के वन में परिवर्तित हो रहे हैं। अमरकंटक आने वाले पर्यटक जंगलों में पिकनिक मना रहे हैं भोजन पका रहे हैं और उपयोग किए गए डिस्पोजल थाली गिलास चम्मच को जंगल में ही छोड़कर चले जाते हैं। देखने में मानो ऐसा लगता है यह जंगल कुछ दिन बाद प्लास्टिक से भर जाएगा और इसकी खूबसूरती कचरे में परिवर्तित हो जाएगी।

शराब का अड्डा बनते तट

अमरकंटक में शराब पर औपचारिक रूप से तो शराब प्रतिबंध है किंतु सफाई करते हुए पाया जा रहा है कि मां नर्मदा के तट पर बैठकर पर्यटक शराब पीते हैं और शराब की बोतल नदी पर फेंक कर जाते हैं। प्रत्येक रविवार सैकड़ो की संख्या में शराब की बोतले नदी से निकल जाती है और उनके आंकड़े एकत्रित किए जा रहे हैं।

नदी में मिलने वाले नाले जाम

बरसात के समय में पहाड़ों जंगलों से होकर बरसात का अपनी मां नर्मदा में नालों के माध्यम से आता है वर्तमान समय में कपिलधारा सोनमुड़ा की बगिया के सभी नालों में सिंगल यूज प्लास्टिक जैसे डिस्पोजल थाली थर्माकोल थाली डिस्पोजल ग्लास चम्मच पानी की बोतल पाउच और अन्य अन्य प्रकार के कचरा नालियों में भरा हुआ है जो बरसात में सीधे जाकर मां नर्मदा में मिल जाएगा।

अमरकंटक आने वाले सभी श्रद्धालु तीर्थ की पवित्रता बनाए रखें सिंगल उसे प्लास्टिक के उपयोग से बचें। और अगर उपयोग किया है तो खुले में ना डस्टबिन पर डालें या अपने साथ लेकर आ जाएं। प्रशासन अमरकंटक में पिकनिक पर रोक लगाई या स्थान सुनिश्चित करें। नर्मदा समग्र घाट टोली के स्वच्छ नर्मदा अभियान में सहभागी बने। टीम स्वच्छ नर्मदा डॉ. अनिल कुर्मी (वैज्ञानिक), शिव खैरवार (सामाजिक कार्यकर्ता), तिलक पटेल (शोधार्थी स्वच्छ नर्मदा), एम. मुरली (शोधार्थी योग विशेषज्ञ), सागर (सामाजिक कार्यकर्ता), दिनेश साहू (सह-समन्वयक नर्मदा समग्र) एवं छात्र बनवासी छात्रावास (विद्या भारती) उपस्थित रहे।